

2/5/25

पत्राक्षी <sup>पत्राक्षी</sup> पेश इरी ककील उभयपक्षकार उद्युपस्थित  
तामी व उनके अधिकता दोनों में से  
कोई उपस्थित नहीं आया। आवान लगरी  
गरी बार-बार लगरी गई। कोई उपस्थित  
नहीं आया। अतः पक्ष पक्षी रखी स्तर पर  
अरुम धररी अरुम पेशी में रूपाव क्रिया  
जाता है। पत्राक्षी नम्बर से कम होकर याविक  
रुफतर है।



*[Handwritten signature]*